क्षितिज पद्य भाग

राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद

प्रश्न-1) पद्यांश को पढ़कर प्रश्नो के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - 5x1=5

सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा । सहसबाहु सम सो रिपु मोरा॥
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा । न त मारे जैहहिं सब राजा ॥
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने । बोले परसुधरहि अवमाने ॥

बहु धनुहि तोरी लरिकाईं । कबहुँ न असि रिसि किन्ही गोसाईं ॥
येहि धनु पर ममता कहि हेतू । सुनि रिसाई कह भृगुकुलकेतू ॥

क) शिवधनुष को किसने तोड़ा ?

अ) राम जी ने ब) लक्ष्मण ने स) परशुराम ने द) विश्वामित्र जी ने

ख) 'अन्यथा सारे राजा मारे जाएंगे'- परशुराम ने ऐसा क्यों कहा ?

अ) अगर राजा चुप रहते हैं । ब) अगर सभा से धनुष तोड़ने वाले को अलग न किया गया ।
स) उत्तर न देने पर। द) सभा में बोलने पर।

ग) मुनि के वचन सुनकर लक्ष्मण क्या करने लगे ?

अ) चिल्लाने लगे । ब) मुस्काने लगे स) रोने लगे । द) गुस्सा करने लगे ।

घ) पद्यांश के अनुसार लक्ष्मण ने बचपन में क्या किया ?

अ) फूल तोड़े ब) फल तोड़े स) धनुष तोड़े द) मटके फोड़े ।

ड.) प्रस्तुत पद कौन सी भाषा में है ?

अ) ब्रज ब) अवधी स) मैथिली द) खड़ी बोली

प्रश्न- 2) नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - 2x1= 2

क) राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद पाठ किस ग्रंथ से गया है ?

अ) रामायण ब) रामचरित मानस स) महाभारत द) गीता

ख) शिव धनुष तोड़ने वाले को परशुराम ने किसके समान अपना शत्रु बताया है ?

अ) सहश्रबाहु के समान ब) लक्ष्मण के समान स) अ एवं ब दोनों द) इनमे से कोई नही

प्रश्न- 3) **नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर 30 से 40 शब्दों में दीजिए - (2x3)=6**

1)- परशुराम ने सेवक और शत्रु के बारे में क्या कहा है ?

उत्तर- परशुराम ने सेवक और शत्रु के बारे में कहा कि सेवक वह होता है जो सेवा का कार्य करे तथा अपने कार्य से अपने स्वामी को प्रसन्न रखे । यदि शत्रु के समान कार्य करते हुए क्रोध को भड़कता है तो उसके साथ लड़ाई ही की जाती है ।

2)- परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष टूट जाने के लिए कौन कौन से तर्क दिए?

उत्तर- परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने तर्क देते हुए कहा कि हमने बचपन में बहुत धनुष तोड़े हैं। इसको तोड़ने पर आपको क्रोध क्यों आया? क्या आपकी इस धनुष के प्रति अधिक ममता थी? हमारी दृष्टि में तो सारे धनुष समान है। दूसरा यह धनुष अत्यधिक पुराना था जो श्रीराम के छूने मात्र से ही टूट गया। भला इसमें श्रीराम का क्या दोष?

3)- परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो प्रतिक्रियाएँ हुई उनके आधार पर दोनों के स्वभाव की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो प्रतिक्रियाएँ हुई उनके आधार पर कहा जा सकता है कि श्री राम स्वभाव से अत्यंत सरल, शांत एवं गंभीर थे। इतना ही नहीं, श्री राम ने अपनी मधुर वाणी से लक्ष्मण को चुप रहने के लिए भी कहा। दूसरी ओर लक्ष्मण उग्र स्वभाव के थे। उन्होंने अपने कटु वाक्यों से परशुराम के क्रोध को भड़का दिया।

प्रश्न- 4) **लक्ष्मण और परशुराम के संवाद का जो अंश आपको सबसे अच्छा लगा उसे अपने शब्दों में संवाद शैली में लिखिए।**

उत्तर- परशुराम- शिवजी का धनुष तोड़ने का दुस्साहस किसने किया है?

राम- हे नाथ! इस शिवजी के धनुष को तोड़ने वाला अवश्य ही आपका कोई दास ही होगा।

परशुराम- सेवक वह होता है जो सेवा का कार्य करे| किन्तु जो सेवक शत्रु के समान व्यवहार करे उससे तो लड़ना पड़ेगा| जिसने भी धनुष तोड़ा है वह मेरे लिए दुश्मन है और तुरंत सभा से बाहट चला जाए अन्यथा यहाँ उपस्थित सभी राजा मारे जायेंगें

प्रश्न- 5) **लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताईं ? लक्ष्मण ने वीर योद्धा की निम्नलिखित विशेषताएँ बताई:-**

उत्तर-

i) वीर योद्धा रणभूमि में वीरता दिखाता है। अपना गुणगान नहीं करता।

ii)कायर ही अपनी शक्ति की डींगें हाँकता है।युद्धभूमि में वीरों की वीरता ही उनकी प्रसिद्धि का आधार होती है।

प्रश्न- 6) **साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। इस कथन पर अपने विचार लिखिए।**

उत्तर- शास्त्र में कहा गया है कि विनम्रता सदा पुरुषों को शोभा देती है। कमजोर और कायर व्यक्ति का विनम्र होना, उनका गुण नहीं, अपितु उनकी मजबूरी है क्योंकि वह किसी को हानि नहीं पहुँचा सकता। दूसरी ओर जब कोई शक्तिशाली व्यक्ति दीन दुखियों की सहायता करता है अथवा उनका सम्मान करता है तो वह उसका महान गुण बन जाता है।

प्रश्न- 7) **भाव स्पष्ट कीजिए**

क) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी॥
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि फारू॥

उत्तर- इसपर लक्ष्मण हँसकर और थोड़े प्यार से कहते हैं कि मैं जानता हूँ कि आप एक महान योद्धा हैं। लेकिन मुझे बार बार आप ऐसे कुल्हाड़ी दिखा रहे हैं जैसे कि आप किसी पहाड़ को फूँक मारकर उड़ा देना चाहते हैं। ऐसा कहकर लक्ष्मण एक ओर तो परशुराम का गुस्सा बढ़ा रहे हैं और शायद दूसरी ओर उनकी आँखों पर से परदा हटाना चाह रहे हैं।

ख) इहाँ कुम्हड़बतिया कोई नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं॥
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना॥

उत्तर- मैं कोई कुम्हड़े की बतिया नहीं हूँ जो तर्जनी अंगुली दिखाने से ही कुम्हला जाती है। मैंने तो कोई भी बात ऐसी नहीं कही जिसमें अभिमान दिखता हो। फिर भी आप बिना बात के ही कुल्हाड़ी की तरह अपनी जुबान चला रहे हैं। इस चौपाई में लक्ष्मण ने कटाक्ष का प्रयोग करते हुए परशुराम को यह बताने की कोशिश की है के वे लक्ष्मण को कमजोर समझने की गलती नहीं करें।

ग) गाधिसूनु कह हृदय हसि मुनिहि हरियरे सूझ। अयमय खाँड़ न ऊखमय अजहुँ न बूझ अबूझ॥

उत्तर- ऐसा सुनकर विश्वामित्र मन ही मन हँसे और सोच रहे थे कि इन मुनि को सबकुछ मजाक लगता है। यह बालक फौलाद का बना हुआ और ये किसी अबोध की तरह इसे गन्ने का बना हुआ समझ रहे

हैं। विश्वामित्र को परशुराम की अनभिज्ञता पर तरस आ रहा है। परशुराम को शायद राम और लक्ष्मण के प्रताप के बारे में नहीं पता है।

प्रश्न- 8) पाठ के आधार पर तुलसी के भाषा सौंदर्य पर दस पंक्तियाँ लिखिए ।

उत्तर- लसीदास जी ने अपने काव्य में अवधि भाषा का प्रयोग किया है तुलसीदास कवि विभक्त होने के साथ-साथ महान विद्वान भी थी उनकी काव्य रचना व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध एवं सफल है उन्होंने तत्सम शब्दों के साथ साथ तद्भव शब्दों का भी प्रयोग किया है लोक प्रचलित मुहावरे और लोकोक्तियाँ का प्रयोग देखते ही बनता है।

प्रश्न- 9) **इस पूरे प्रसंग में व्यंग्य का अनूठा सौंदर्य है। उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर- प्रस्तुत पदों के अध्ययन से पता चलता है कि लक्ष्मण के कथन में गहरा व्यंग्य छिपा हुआ है। लक्ष्मण परशुराम से कहते हैं कि श्री राम ने इस धनुष को छुआ ही था कि यह टूट गया। परशुराम की डींगो को सुनकर लक्ष्मण पुनः कहते हैं कि हे मुनि! आप अपने आप को एक बड़ा योद्धा समझते हैं और फूँक मारकर पहाड़ उड़ाना चाहते हैं। हम भी कोई छुईमुई के पेड़ नहीं है जो अंगुली के इशारे से मुरझा जाए। आपने धनुष-बाण व्यर्थ ही धारण किए हुए हैं क्योंकि आपका एक वचन ही करोड़ों वज्रों के समान है।

2) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

बिहँसि लखनु बोले मृदु बानी । अहो मुनीसु महाभट मानी ।।
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फैंक पहारू॥
इहाँ कुम्हड़बतियाँ कोउ नाहीं । जे तरजनी देखि मरि जाहीं ।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना॥
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछ कहहू सह रिस रोकी ।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई ।।
बधे पापु अपकीरति हारे । मारतहू पा परिअ तुम्हारे ।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहू धनु बान कुठारा ।।

<u>प्रश्न-</u>

क) 'कुम्हड़बतिया' का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

ख) लक्ष्मण के हँसने का क्या कारण है?

ग) 'मुनीसु' कौन हैं ? लक्ष्मण उनसे बहस क्यों कर रहे हैं ?

<u>उत्तर-</u>

क) 'कुम्हड़बतिया' (कोंहरा का बतिया यानी कोंहरा का छोटा रूप) उँगली दिखाने से सड़ जाता है | यहाँ परशुराम लक्ष्मण को तुक्छ समझ कर बार-बार उँगली दिखा रहे थे इसलिए यहाँ कुम्हड़बतिया का उदाहरण दिया गया है |

ख)लक्ष्मण के हँसने का कारण परशुराम की गर्वभरी बातें एवं खुदको परशुराम द्वारा हलके में लेना है
ग) परशुरामजी मुनीसु हैं। उन्होंने शिव-धनुष के टूट जाने पर राम को बुरा-भला कहा और बार-बार धनुष दिखाकर दंड देने की बात कही,फलस्वरूप लक्ष्मण अपना पक्ष रखते हुए उनसे बहस कर रहे हैं।

<u>अन्य प्रश्न-</u>

1. धनुष को तोड़ने वाला कोई आपका ही सेवक होगा-के आधार पर राम के स्वभाव पर टिप्पणी कीजिए।
2. परशुराम जी ने अपने फरसे की क्या विशेषता बताई है ?
3. लक्ष्मण ने परशुराम से किस प्रकार क्षमा-याचना की और क्यों?
4. इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं - यह पंक्ति किसने और किस संदर्भ में कही है ?

<u>उत्तर-</u>

1. राम लक्ष्मण परशुराम संवाद में यह कोई आपका ही दास होगा वाक्य के आधार पर भगवान श्रीराम शील स्वभाव के होने का पता चलता है। परशुराम के क्रोध को शांत करने का प्रयास करते हुए राम ने बड़ी ही विनम्र, सील स्वभाव से कहा कि शिव धनुष को तोड़ने वाला आपका कोई दास होगा-ऐसा कहने से यह पता चलता है कि राम शांत, विनम्र स्वभाव के हैं। उनकी वाणी में मधुरता का गुण विद्यमान हैं। वे जानते थे कि भगवान परशुराम को विनम्रता से ही समझाया जा सकता है।
2. राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद में गोस्वामी तुलसीदास के अनुसार भगवान श्री परशुराम जी को अपनी शस्त्र विद्या पर अति विश्वास था। फरसा उनका प्रिय शस्त्र था | जिसके पैनेपन पर उन्हें गर्व था, वो कहते हैं कि उनका फरसा इतना भयानक है कि इसकी भयानक गर्जना से स्त्री के गर्भ में स्थित बालक भी मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं और इस फरसे से मैंने हजारों सिरों को धड़ से अलग कर दिया है।
3. राम लक्ष्मण परशुराम संवाद में लक्ष्मण ने कहा कि देवता, ब्राह्मण, भगवान के भक्त और गाय-इन पर हमारे कुल में वीरता नहीं दिखाई जाती है। इन्हें मारने पर पाप लगता हैं और इनसे हारने पर अपयश होता है। अतः आप हमें मारेंगे भी तो हम आपके पैर ही पड़ना चाहिगे। हे महामुनि! मैंने कुछ अनुचित कहा हो तो धैर्य धारण करके मुझे क्षमा करना। हम आपसे किसी प्रकार का युद्ध लड़ाई झगड़ा नहीं करना चाहते हैं। आपका आदर सत्कार करना ही हमारा धर्म है।
4. उपर्युक्त पंक्ति लक्ष्मण जी ने परशुराम जी से उस समय कही जब वे उन्हें बार-बार अपने क्रोध,पराक्रम और प्रतिष्ठा के विषय में बताते हुये उन्हें अपने फरसे की तीक्ष्णता से भी अवगत करा रहे थे जिसे सुन कर लक्ष्मण जी स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख सके और प्रत्युत्तर में बोले कि बार-बार ये कुल्हाड़ा दिखा कर आप मानो फूँक से पहाड़ उड़ाना चाहते हो तो यहाँ कोई कुम्हड बतिया अर्थात कमजोर नहीं हैं जो आपकी तर्जनी देख कर डर जाए। इस लोकोक्ति के द्वारा वे परशुराम जी को सचेत करना चाहते है कि उनकी बातों से वे तनिक भी नहीं डरे,उन्हे अपनी शक्ति और क्षमता पर पूरा विश्वास है और वे उनका घमंड तोड़ने का पूरा साहस रखते हैं। और यदि आपको अपनी क्षमता पर इतना ही घमंड है तो आकर हमसे युद्ध कीजिएगा हम युद्ध के

लिए तैयार हैं। हम तो आपको एक ऋषि, महात्मा समझ कर छोड़ रहे हैं। पर हम ब्राह्मण और ऋषि, महात्माओं के साथ युद्ध नहीं करते हैं।

अन्य बहुविकल्पीय प्रश्न

1) परशुराम ने किसके प्रेम के कारण लक्ष्मण का वध नहीं किया?

(a) शिव के (b) राम के (c) पिता के (d) विश्वामित्र के

उत्तर- (d) विश्वामित्र के

2) परशुराम का स्वभाव कैसा है?

(a) उदार (b) शील (c) क्रोधी (d) चंचल

उत्तर- (c) क्रोधी

3) सहस्रबाहु की भुजाओं को किसने काट डाला था?

(a) लक्ष्मण ने (b) परशुराम ने (c) विष्णु ने (d) शिव ने

उत्तर- (b) परशुराम ने

4) परशुराम के वचन किसके समान कठोर हैं?

(a) वज्र के समान (b) लोहे के समान (c) पत्थर के समान (d) लोहे के समान

उत्तर- (a) वज्र के समान

5) शूरवीर अपनी वीरता कहाँ दिखाते हैं?

(a) घर में (b) युद्ध में (c) बातों में (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (b) युद्ध में

6) लक्ष्मण का यह कथन 'एक फूँक से पहाड़ उड़ाना' परशुराम के किस गुण को दर्शाता है?

(a) योद्धा (b) कायर (c) साहसी (d) मूर्खता

उत्तर- (a) योद्धा

7) जो सेवा का काम करे वह क्या कहलाता है?

(a) नौकर (b) सेवक (c) चौकीदार (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (b) सेवक

8) किसके कहने पर परशुराम ने अपनी माता का वध कर दिया था?

(a) गुरू के (b) पिता के (c) प्रेयसी के (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (b) पिता के

9) परशुराम शिव को क्या मानते हैं?

(a) पिता (b) ईश्वर (c) गुरू (d) सेवक

उत्तर- (c) गुरू

10) लक्ष्मण ने परशुराम के किस स्वभाव पर व्यंग्य किया है?

(a) चाटुकारिता (b) आलसीपन (c) मधुर (d) बड़बोलापन

उत्तर- बड़बोलापन

सूरदास के पद

प्रश्न- पद्यांश को पढ़कर प्रश्नो के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - 5x1=5

हमारे हरि हारिल की लकरी ॥